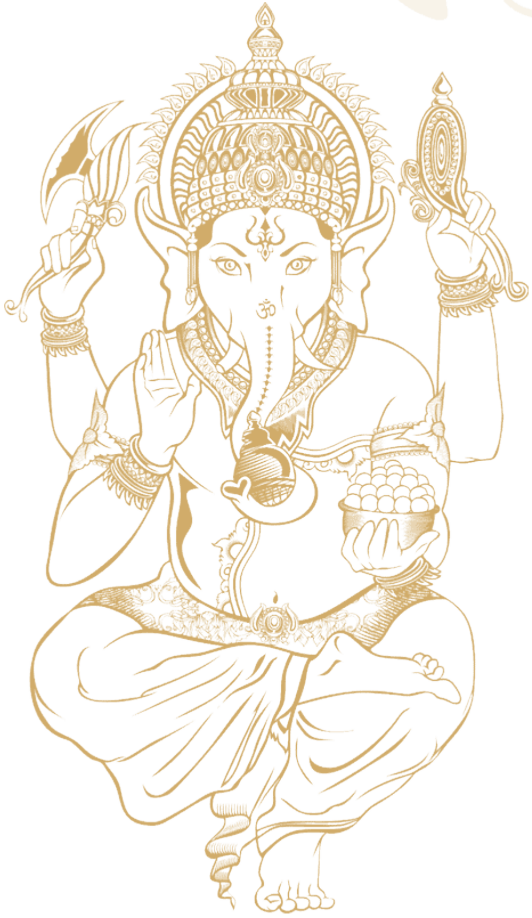

Preety

03 Nov 1985

04:00 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121176808

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **2-03/11/1985**
दिन	: शनि-रविवार
जन्म समय	: **04:00:00 घंटे**
इष्ट	: 53:29:20 घटी
स्थान	: **Karnal**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:41:00 उत्तर
रेखांश	: 76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 03:37:56 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	: 06:26:29 घंटे
सूर्योदय	: 06:36:15 घंटे
सूर्यास्त	: 17:34:51 घंटे
दिनमान	: 10:58:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 16:47:28 तुला
लग्न के अंश	: 12:07:36 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कन्या - बुध
राशि-स्वामी	: **मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: सिद्ध
करण	: तैतिल
गण	: मनुष्य
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:07:36	315:12:56	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			तुला	16:47:28	01:00:05	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मिथु	13:23:24	12:08:40	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कन्या	10:17:36	00:37:35	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	09:08:08	01:12:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			मक	14:58:19	00:05:45	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कन्या	27:58:39	01:14:55	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि			वृश्चि	04:41:02	00:06:55	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु			मेष	15:31:23	00:00:09	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	15:31:23	00:00:09	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	22:22:04	00:03:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
नेप			धनु	07:54:01	00:01:35	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	11:15:30	00:02:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	12:25:13	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:21

लग्न-चलित

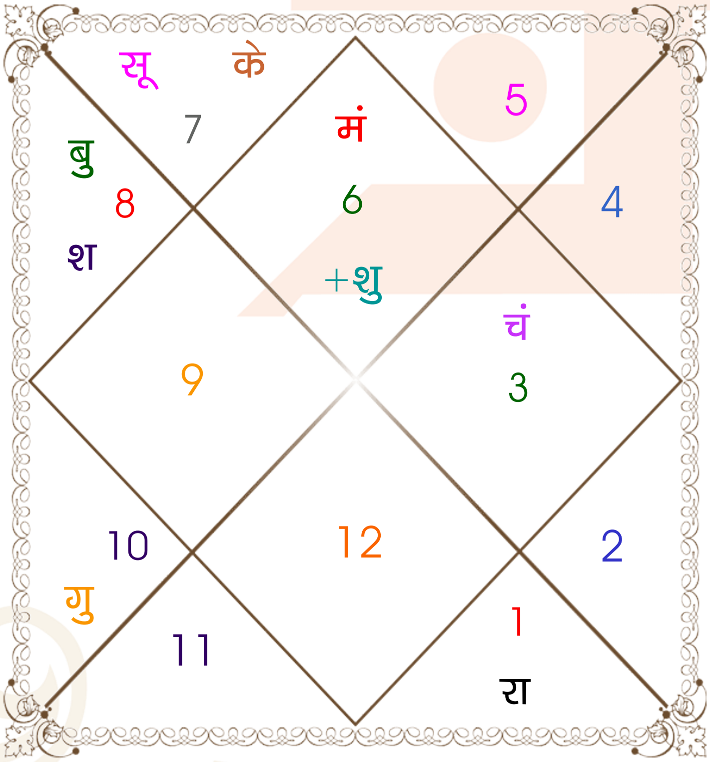

चन्द्र कुंडली

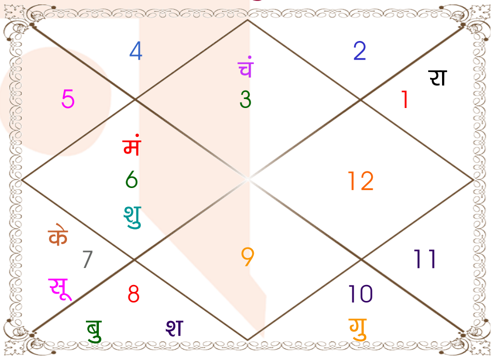

नवमांश कुंडली

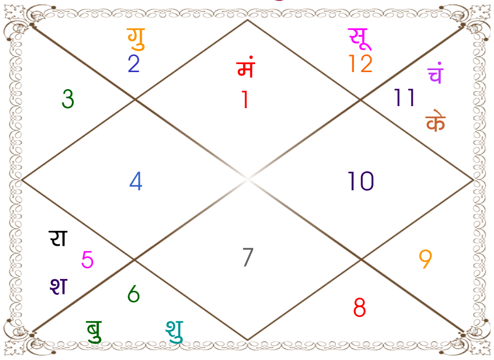

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 11 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/11/1985		**06/10/1994**		**06/10/2010**		**06/10/2029**		**06/10/2046**	
06/10/1994		**06/10/2010**		**06/10/2029**		**06/10/2046**		**06/10/2053**	
	00/00/0000	गुरु	23/11/1996	शनि	09/10/2013	बुध	03/03/2032	केतु	04/03/2047
	00/00/0000	शनि	07/06/1999	बुध	18/06/2016	केतु	01/03/2033	शुक्र	03/05/2048
	03/11/1985	बुध	11/09/2001	केतु	28/07/2017	शुक्र	31/12/2035	सूर्य	08/09/2048
बुध	07/04/1987	केतु	18/08/2002	शुक्र	26/09/2020	सूर्य	05/11/2036	चंद्र	09/04/2049
केतु	24/04/1988	शुक्र	18/04/2005	सूर्य	08/09/2021	चंद्र	06/04/2038	मंगल	05/09/2049
शुक्र	25/04/1991	सूर्य	05/02/2006	चंद्र	10/04/2023	मंगल	04/04/2039	राहु	24/09/2050
सूर्य	19/03/1992	चंद्र	07/06/2007	मंगल	19/05/2024	राहु	21/10/2041	गुरु	31/08/2051
चंद्र	18/09/1993	मंगल	12/05/2008	राहु	25/03/2027	गुरु	27/01/2044	शनि	09/10/2052
मंगल	06/10/1994	राहु	06/10/2010	गुरु	06/10/2029	शनि	06/10/2046	बुध	06/10/2053

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/10/2053		**06/10/2073**		**06/10/2079**		**06/10/2089**		**06/10/2096**	
06/10/2073		**06/10/2079**		**06/10/2089**		**06/10/2096**		**00/00/0000**	
शुक्र	04/02/2057	सूर्य	23/01/2074	चंद्र	06/08/2080	मंगल	04/03/2090	राहु	19/06/2099
सूर्य	05/02/2058	चंद्र	25/07/2074	मंगल	07/03/2081	राहु	22/03/2091	गुरु	12/11/2101
चंद्र	06/10/2059	मंगल	30/11/2074	राहु	06/09/2082	गुरु	26/02/2092	शनि	18/09/2104
मंगल	05/12/2060	राहु	25/10/2075	गुरु	06/01/2084	शनि	06/04/2093	बुध	04/11/2105
राहु	06/12/2063	गुरु	12/08/2076	शनि	06/08/2085	बुध	03/04/2094		00/00/0000
गुरु	06/08/2066	शनि	25/07/2077	बुध	05/01/2087	केतु	31/08/2094		00/00/0000
शनि	06/10/2069	बुध	31/05/2078	केतु	06/08/2087	शुक्र	31/10/2095		00/00/0000
बुध	06/08/2072	केतु	06/10/2078	शुक्र	06/04/2089	सूर्य	06/03/2096		00/00/0000
केतु	06/10/2073	शुक्र	06/10/2079	सूर्य	06/10/2089	चंद्र	06/10/2096		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।